Jiwaji University
Gwalior (M.P)

जीवाजी विश्वविद्यालय
ग्वालियर (म.प्र.)

दूरस्थ शिक्षण अध्ययनषाला

School of Studies in Distance Education

प्रवेश आवेदन पत्र एंव सूचना विवरणिका

Application form & Information Bulletin

वर्ष 2012–2013

Contact Address:

Director, School of Studies in Distance Education

Doorasth Shikshan Bhawan, University Campus

Gwalior

सम्पर्क पताः–

निदेषक दूरस्थ अध्ययनषाला,

दूरस्थ शिक्षण भवन, जीवाजी विष्वविद्यालय परिसर, ग्वालियर (म.प्र.)

फोन न. (0751) 2442863 (कार्यलय)(0751) 2442868(निदेषक)

उपनिदेषक 2442630

Jiwaji University Gwalior (M.P)

जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

1. Hon.ble Vice Chancellor	:	Prof. M. Kidwai
2. Registar	:	Prof. Anand Mishra
3. Director	:	Prof. Umesh Holani
4. Dy Director	:	Prof. A.K Sharma
5. Phone	:	(0751) 2442868 (Director)
		2442630 (Dy. Director)
		2442869 (Office)
		2442615 (Counselor)

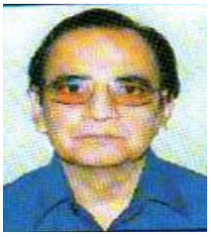

प्रो. मजाहिर किदवई

माननीय कुलपति

जीवाजी विश्वविद्यालय,

ग्वालियर (म.प्र.)

कुलपति महोदय की कलम से.....

किसी भी देश के सामाजिक उत्थान के लिए शैक्षणिक प्रयास अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि शिक्षा के बिना ज्ञान, कौशल एंव व्यवहार में पारंगत होना असम्भव है। दूरस्थ शिक्षा का सामान्य उद्देश्य जिज्ञासु एंव शिक्षक के मध्य वह संचार है जो समय एंव सीमा के बंधन से मुक्त हो। दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से राष्ट्रीय एंव अन्तराष्ट्रीय स्तर पर छात्र/छात्राओं को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराये जा रहे है। दूरस्थ शिक्षा में पाठ्य समाग्री की एक अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान में सूचना तकनीकि विकास के कारण रेडियो, टेलीफोन, इन्टरनेट एंव अन्य दूरसंचार माध्यमों ने इस क्षेत्र के विस्तार में अमूल्य योगदान दिया है, जिसके कारण इसे जनप्रिय शिक्षण प्रणाली के रूप में विश्वभर में सम्मान प्राप्त हुआ है। सेटेलाइट कम्युनिकेशन जैसे नवाधुनिक तंत्र भी इस शिक्षण प्रणाली में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें है। यही कारण है कि विश्वभर में दूरस्थ शिक्षण द्वारा उच्च शिक्षा के विकास एवं प्रसार में नित नये सोपान तय किए जा रहें है।

जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 1994 में स्थापित दूरस्थ शिक्षण अध्ययनशाला, दूरस्थ शिक्षा परिषद् नई दिल्ली से समय-समय पर प्राप्त किए गए वित्तीय अनुदान के सहयोग से निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्तमान मे यह विभाग विभिन्न संकायों के अन्तर्गत 27 पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। जिसमें स्नातक,स्नातकोत्तर एंव व्यावसायिक पाठ्यक्रम सम्मिलित है।

मैं इस अध्ययनशाला के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

(प्रो. मजाहिर किदवई)

दूरस्थ शिक्षा एक परिदृष्य

भारत में उच्च शिक्षा सदैव से परिवर्तनशील रही है। प्रारंभिक वर्षों में उच्च शिक्षा की प्रक्रिया स्वाध्यायी एवं छोटे महाविद्यालयों के रूप में प्रारम्भ हुई। कालान्तर में सरकारी विश्वविद्यालय सभी आर्थिक समूहों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शुरू किए गए। भारत की बढ़ती हुई आबादी के अनुरूप उस शिक्षा की आवश्यकता महसूस की गई और इस बढ़ोत्तरी के साथ ही नीतिगत एवं संरचनात्मक वृद्धि हुई।

दूरस्थ पद्धति, शिक्षा प्रदान करने के लिए पारम्परिक शिक्षा का पर्याय है। दूरस्थ शिक्षा उन लोगों के लिए लाभप्रद है जो परिवार के उत्तरदायित्वों से निश्चिंत महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में प्रवेश नहीं ले सकते। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी अपने – अपने ज्ञान के कदमों को निर्धारित करके स्वतंत्र रूप में अध्ययन करते हैं। इस पद्धति में कक्षा अध्ययन पद्धति एवं शिक्षक विद्यार्थी आदान – प्रदान की भी आवश्यकता महसूस नहीं करते।

दूरस्थ प्रणाली में विभिन्न प्रकार के विषयों के अध्ययनों को समाहित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षक एवं विद्यार्थी सामन्जस्य की स्थिति को बनाते हैं। शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों दूरस्थ प्रक्रिया में सामन्जस्य बनाते हैं, जबकि तकनीकि शिक्षा इसमें नए आयामों को जोड़ती है।

दूरस्थ शिक्षा में न केवल प्राचीन उच्च शिक्षा पद्धति को नकारा है, बल्कि जो परम्परागत् विश्वविद्यालय हैं उनके नीतिगत एवं संरचनात्मक पहलुओं का भी अध्ययन किया है। दूरस्थ मुक्त शिक्षा के द्वारा एक वैकल्पिक व्यवस्था का निर्माण करती है और ज्ञान पर आधारित मानवीय संसाधनों के लिए योगदान भी देती है। यह परम्परागत् शिक्षा के मशीनीकरण को बढ़ावा नहीं देती।

लक्ष्य कथन

समाज की निर्णायक विकासात्मक गतिविधियों में सक्रिय एवं सार्थक सहभागिता हेतु दूर–दराज के युवा शक्तियों को सशक्त बनाने में शिक्षा का सदुपयोग करना।

उद्देष्य

- शिक्षित समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने हेतु दूर–दराज रहने वाले विद्यार्थियों को ज्ञान वर्धक एवं गुणात्मक शिक्षा के अवसर प्रदान करना।
- व्यवसायिक समाज की मांग के अनुरूप आवश्यक सभी क्षेत्रों में दक्षताएं प्रदान करना।
- व्यवसाय करने वाले लोगों को अपना शैक्षणिक स्तर ऊपर करने के लिए ऐसा वातावरण देना जो उनके स्तर को बढ़ाने में सहयोग कर सके।

दूरस्थ शिक्षा पद्धति के मुख्य बिन्दु निम्नानुसार है।

- ग्रामीण क्षेत्रों के नवयुवकों को शिक्षित समाज में उच्च शिक्षा एवं रचनात्मकता सृजनात्मकता के अवसर प्रदान करना।
- व्यावसायिक समाज की आवश्यकता के अनुरूप ग्रामीण युवकों में कुशलता की बढ़ोत्तरी करना।

- कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण इन्टरमीडिएट के पश्चात् अध्ययन/पढ़ाई बन्द कर देने बालों को अध्ययन के प्रति जागरूक करना। ऐसे विद्यार्थी जो दूरस्थ शिक्षण पद्धति के माध्यम से शिक्षा के लिए उत्साहित होते हैं तो वे आर्थोपार्जन के साथ – साथ अपने पढ़ाई/अध्ययन को भी जारी रख सकते हैं।
- नौकरी पेशा लोग जो नियमित कक्षाओं में आकर अध्ययन नहीं कर सकते उन्हें दूरस्थ शिक्षा पद्धति द्वारा अध्ययन करने हेतु प्रोत्साहित करना।
- ऐसे पाठ्यक्रमों को संचालित करना जो विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में संचालित नहीं हो रहे हैं।

वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा द्वारा अध्ययन अध्ययापन का प्रचलन बढ़ रहा है। फिर भी विद्यार्थियों के लिए यह अधिक अर्थपूर्ण एवं गहन तब होगा जब विद्यार्थी एवं उसके शिक्षक आपस में मिलकर उसके अध्ययन विकास उद्देश्य एवं विशिष्टताओं की प्राप्ति के लिए कक्षा के सदस्यों के साथ साथ विचारों के आदान प्रदान, अनुभवों के आधारों, नवीनतम जानकारियों के अध्ययन, उदाहरणों से विद्यार्थियों में स्वाध्याय एवं उसके मूल्यांकन पद्धति जागरूकता लाना इस प्रकार की चुनौती एवं अवसर दूरस्थ शिक्षण में प्रदान की जाती है।

सामान्य परिचयः–

जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 1995 मे स्थापित यह विभाग दूरस्थ शिक्षा पद्धति से विभिन्न सामान्य एंव व्यवसायिक पाठयक्रम वार्षिक शिक्षा पद्धति के आधार पर संचालित करता है। जिनकी परीक्षायें क्रमशः सामान्य पाठयक्रम मार्च–अप्रैल एंव व्यवसायिक पाठयक्रम अगस्त सितम्बर के महीनों मे सम्पन्न कराई गई। पाठयक्रमों के संचालन के लिये आवश्यक दूरस्थ शिक्षा परिषद् नई दिल्ली की अनुमति प्रावधिक रूप से प्राप्त है। नियमित मायन्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है। अध्ययनशाला के पास दूरस्थ शिक्षण पद्धति के लिये आवश्यक सभी सुविधायें एंव Infrastructure पर्याप्त मात्रा मे विकसित कर लिया गया है। इसी प्रकार दूरस्थ पद्धति के लिये आवश्यक सभी चरण एवं विधार्थी, सुविधाएं विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई जिनका विवरण निम्नानुसार है।

1. **ऑनलाईन प्रवेष आवेदन पत्रों की उपलब्धताः–** विभाग द्वारा वर्ष 2010–11 से ही विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र एवं प्रवेश विवरिणका ऑनलाईन उपलब्ध हैं जिसे छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइड WWW.Jiwaji.Edu. से डाउन लोड कर निशुल्क प्राप्त कर सकता है।

2. **सुविधा युक्त सरल शुल्क जमा प्रकियाः–** विभाग द्वारा प्रवेश हेतु आवेदन करने वाले विधार्थी के लिऐ केशलेश सुविधा उपलब्ध है। जिसके अन्तर्गत समस्त छात्र अपना शुल्क सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में चालान के माध्यम से अथवा कुलसचिव जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के नाम डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा कर सकते है।

3. **<u>षिक्षण सामग्री एवं पुस्ताकलय की सुविधाः–</u>** अध्ययनशाला के पास स्वयं का भव्य पुस्तकालय है। जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों से सम्बधित नवीन संस्करण की लगभग 22,000 पुस्तकें उपलब्ध है। जो छात्र आवश्यकतानुसार पुस्तकालय से प्राप्त करते है। इस के साथ ही दस लाख की पुस्तकें प्रतिवर्ष इस हेतु क्रय की जाती है। वर्ष 2011–12 के दौरान अध्ययनशाला द्वारा दूरस्थ शिक्षण परिषद के वित्तीय सहयोग से एम.बी.ए. पाठ्यक्रम की स्वनिर्देशित शिक्षण सामग्री की 16 पुस्तकें तैयार कराकर छात्रों की वितरित की गई है। आगामी सत्र में इन पुस्तकों का प्रकाशन किया जाना प्रस्तावित है।

4. **<u>शैक्षणिक प्राधौगिकी एवं अन्य स्टूडेन्ट सर्पोट सर्विस की उपलब्धताः–</u>** इस अध्ययनशाला के पास दूरस्थ शिक्षण परिषद के वित्तीय सहयोग से निर्मित शैक्षणिक प्राधौगिकी की सुविधायें जिनमें कम्प्यूटर लैब (मय 25 कम्प्यूटर प्रिटंर, इंटरनेट) सुविधा के अतिरिक्त उच्च गुणवत्ता फोटो कॉपियॉ रीजो डूप्लीकेटर टेलीविजन, स्मार्टक्लास, स्टूडेन्ट प्रशिक्षण कक्ष, वातानूकुलित सेमिनार हॉल इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है। अध्ययनशाला द्वारा स्वयं की कलर प्रिटिंग मशीन को क्रय करने का प्रस्ताव है। एवं छात्रों को मुद्रित शिक्षण सामग्री के साथ–साथ सॉफ्टवेयर कॉपी एवं ऑडियो सामग्री तैयार कर वितरित करने की योजना प्रस्तावित है।

5. **<u>अध्ययन केन्द्रो की सुविधाः–</u>** इस विभाग द्वारा विश्वविद्यालय क्षेत्रांर्गत ग्रामीण एवं दूर दराज के पिछडे एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के छात्र/छात्राओं की सुविधा के लिए विभिन्न जिलो में 23 अध्ययन केन्द्र स्थापित किये गये है। जिनका विवरण इस प्रकार है।

स क्रं	अध्ययन केन्द्र अध्ययनशाला/ महाविद्यालय	जिला
1.	दैपुरिया महाविद्यालय मेहगॉव (भिण्ड)	भिण्ड
2.	आर.वी.एस.कालेज पोरसा	मुरैना
3.	जयहिन्द विस्मिल महाविद्यालय अम्बाह	मुरैना
4.	मॉ शांन्ती देवी महाविद्यालय सबलगढ़	मुरैना
5.	आचार्य नरेन्द्र देव महाविद्यालय कैलारस	मुरैना
6.	शिवषंकर महाविद्यालय सुमावली	मुरैना
7.	जी.एल.एस. महाविद्यालय बामोर	मुरैना
8.	गॉधी वोकेशनल कॉलेज गुना	गुना
9.	ओमशिव महाविद्यालय कराहल	श्योपुर
10.	चौधरी दिलीप सिंह महाविद्यालय भिण्ड	भिण्ड
11.	शिवम महाविद्यालय, पोरसा	मुरैना
12.	एन.ए.एस. महाविद्यालय, पोरसा	मुरैना
13.	स्वामी विवेकानन्द महाविद्यालय, अम्बाह मुरैना	मुरैना

14.	ए.एस. डिग्री कॉलेज, कैलारस	मुरैना
15.	श्री रामनाथ सिंह महाविद्यालय गोरमी, भिण्ड	भिण्ड
16.	के.एस.कॉलेज मौ	भिण्ड
17.	राधा कृष्ण महाविद्यालय, इन्दरगढ़	दतिया
18.	श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट, मुरैना रोड, ग्वालियर	ग्वालियर
19.	श्री पुरूषोत्तम महाविद्यालय, दंदरूआ, मौ	भिण्ड
20	आदर्श महाविद्यालय (श्योपुर)	मुरैना
21	एस.आर.डी. महाविद्यालय (मुरैना)	मुरैना
22	मालवा कॉलेज ऑफ एजुकेशन बीनागंज (गुना)	शिवपुरी
23	श्रीराम कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट बसई (दतिया)	दतिया

6. **व्यक्तिगत सम्पर्क कक्षायें एवं परामर्ष सुविधाः–** इस अध्ययनशाला द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त विधार्थीयों को व्यक्तिगत सम्पर्क कक्षायें (फेश टू फेश टिचिंग) की सुविधायें प्रत्येक सत्र में माह दिसम्बर जनवरी के दौरान 10 दिवसीय के रूप में उपलब्ध कराई जाती है। इसके अन्तर्गत कोई भी छात्र अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं समस्या के साथ विभाग के मुख्यालय या अध्ययनकेन्द्र पर पहुच सकता है। वहा पर उपलब्ध परामर्शदाता उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये सदैव उपस्थित रहते है। छात्रों अपनी सुविधा से आन लाइन फोन का उपयोग कर सकता है।
7. **प्रदत्तकार्य आंतरिक मूल्यांकन एवं परीक्षा परिणामः–** विभाग द्वारा सभी पाठ्यक्रमों में प्रदत्तकार्य (आंतरिक मूल्यांकन) प्रणाली लागू है। जिसके तहत छात्र विभाग से प्रदत्तकार्य प्राप्त करते है। तथा विभाग द्वारा उनका आंतरिक मूल्यांकन कराया जाता है। जिसे छात्र की सैद्धान्तिक परीक्षा के साथ जोडा जाता है।

8. **प्रायोगिक कार्य की सुविधाः–** विभिन्न पाठ्क्रमों में सिलेवस के अनुरूप विधार्थीयों को प्रायोगिक कार्य का अभ्यास भी विश्वविद्यालय अध्ययनशाला में एवं विभिन्न अध्ययनकेन्द्र महाविद्यालयो पर प्रायोगिक अभ्यास की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। छात्रों के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेब साइड WWW.Jiwaji.Edu. पर उपलब्ध कराये जाते है। साथ ही उनकी अंकसूची विश्वविद्यालय एवं अध्ययनकेन्द्रो से वितरित की जाती है।

दूरस्थ शिक्षण अध्ययनशाला
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

स्वयं अभिप्रमाणित पासपोर्ट आकार का अपना चित्र

प्रवेश हेतु आवेदन पत्र

पाठ्यक्रम का नाम .....

1. श्रेणी : अनूसूचित जाति ☐ अनूसूचित जनजाति ☐ अन्य पिछडा वर्ग ☐ विकलांग ☐
   स्वतंत्रता सेनानी ☐ सामान्य ☐ स्टॉफ वार्ड ☐
2. क्या मध्यप्रदेश के मूलनिवासी है हॉ ☐ नही ☐
3. प्रवेश हेतु इच्छित विषय पाठ्यक्रम स्नातक ☐ स्नातकोत्तर ☐ विषय .....
4. वर्ष प्रथम ☐ द्वितीय ☐ तृतीय ☐
   (स्नातक के लिए विषय) 1. 2. 3. 4.
5. आवेदक का पूरा नाम (हिन्दी में) .....
6. लिंग पुरूष ☐ स्त्री ☐
7. पिता का नाम .....
8. माता का नाम .....
9. राष्ट्रीयता .....
10. जन्म तिथि ...../...../.....
11. जन्म स्थान .....
12. माध्यम हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐
13. स्थायी पता .....
    .....
14. पत्र व्यवहार का पता (विश्वविद्यालय इसी पते पर पत्र व्यवहार करेगा।)
    .....
    .....
    दूरभाष नं. .....मोबाइल न. .....
15. यदि सेवारत है। तो विवरण दें। (पृथक से परिशिष्ट संलग्न करें।) .....
16. अंतिम परिक्षा के बाद यदि कोई गैप है। तो पूरा व्यौरा दें तथा शपथ पत्र संलग्न करें।

नोटः– एम.बी.ए. **(जनरल)** एम.बी.ए. **(सी.एस.एम.)**,एंव **पी.जी.डी.सी.ए.** पाठयक्रमों का शिक्षण एवं परीक्षा का माध्यम केवल अग्रेजी होगा।

17. शैक्षणिक योग्यता (हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी से) प्रारम्भ करें।

क्र.	सत्र	कक्षा	विषय/ सकांय	प्राप्तांक पूर्णांक	प्रतिशत	बोर्ड/विश्वविद्यालय	प्रमाण पत्रो की प्रतिलिपि संलग्न करे।

नोट :–1. बिना प्रमाण पत्रो की प्रतिलिपियों के आवेदन पत्र अधूरा माना जायेगा तथा स्वीकार नही किया जायेगा।

2. जीवाजी विश्वविद्यालयो के छात्र/छात्राओ के अतिरिक्त सभी को माइग्रेशन जमा करना अनिवार्य होगा।

18. पिता /पालक का विवरण –

(अ) पूरा नाम .....

(ब) व्यवसाय .....

(स) वार्षिक आय .....

(द) क्या शिक्षण शुल्क मुक्ति की पात्रता रखते है। हॉ ☐ नही ☐

19. (अ) शिक्षण शुल्क बैंक ड्राफ्ट रू. ..... क्रमांक ..... दिनांक .....

बैंक का नाम .....

(या)

(ब) बैंक चालन क्रमांक ..... दिनांक ..... रूपये .....

सेंट्रल बैंक आफॅ इंडिया शाखा।.....

(केवल स्थानीय एंव म.प्र. में रहने वाले आवेदको के लिये लागू)

मै घोषणा करता/करती हूॅ कि उपर्युक्त सूचना सत्य है। मैने विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत प्रवेश नियमों को पढ लिया है तथा मैं इनका एंव विश्वविद्यालय के सभी नियमों का पालन करूॅगा/करूॅगी।

....

दिनांक आवेदक के हस्ताक्षर पिता/पालक के हस्ताक्षर

आवेदक का आवेदन पत्र जांच किया गया उसे प्रवेश दिये जाने की अनुसंशा की जाती है।

परार्माष्दाता

प्रवेष दिया जाता है। निदेषक/उपनिदेषक

SCHOOL OF STUDIES IN DISTANCEEDUCATION
JIWAJI UNIVERSITY, GWALIOR

Affix self attested passport size photograph

APPLICATION FORM FOR ADMISSION

1. Category: - S.C. ☐ S.T. ☐ O.B.C. ☐ Disabled ☐ Freedom fighter ☐

General ☐ Staff word ☐

(Attach Certificates)

2. Whether domicile of Madhya Pradesh Yes ☐ No ☐

3. Name of Course in which admission is being sought out Graduate ☐

PostGraduate ☐ Subject……..

4. Year First ☐ Second ☐ Third ☐

(For UG- and P.G Subjects) 1. 2. 3. 4.

5. Application"s full Name in Block Letter …….

6. Sex Male ☐ Female ☐

7. Father"s Name ……...

8. Mother"s Name…….....

9. Nationality ……

10 Date of Birth ……/……. /…….. 10. Place of Birth ……

11. Permanent Address ……....

……

12. Medium Hindi ☐ English ☐

13. Postal Address (University correspondence on this address)

……. ……..

……

Phone No. …… Mob…….……

14. If Employed give details (Attach the necessary enclosure) ……..……...

Note: - M.B.A. (General) M.B.A. (C.S.M.M.) and P.G.D.C.A. Courses are available in English Medium only.

15. Academic qualification (From High School/Higher Secondary Onwards)

S.NO.	Session	Class	Subjects	Marks	%	Board/University	Attached photo copy of all certificate

Note: - **Without copy of certificate application shall be treated incomplete.**

16. Is there any gap after passing last examination? If yes, give detail and attach an affidavit.
17. Have you ever been empelled/rusticated form any educational institution or convicted by a court of law? If do give detail.
18. Particulars of Guardian

    (a) Full Name …….....

    (b) Occupation ……..

    (c) Annual Income …….....

    (d) If you under the required of fee material Yes ☐ No ☐

19. (a)Teaching fee Rs.…….Draft No…… Date ……..
    Draft Issuing Bank…….

    (OR)

    (b)Bank Challan No. …… Date ……... Rs. ……..

    Central bank of India branch ……..

    (Only for local and M.P residents.)

I declare that the information given above is correct I Have read the admission rules prescribed by the University and shall abide by them and by all the other rules of the University.

Date _____ Signature of the applicant _____ Signature of father/Mother/Guardian _____

All document of the student had checked hence case may be recognized for admission

Counselor

Admission permitted **Director/ Dy. Director**

9. <u>संचालित पाठयक्रम एंव शिक्षण शुल्क विवरणः–</u>

S. No.	Courses offered	Duration Year	Eligibility for Admission	Installment		Total Fee for 1 Year
				First	Second	
Graduate Courses :						
1.	B.A. (any three subject out of History, Pol.Sci. Eco., Geograpy, Sociology, Fine art, Home science.	3	10+2 in any stream	1,500	--	1,500
2.	B.Com.	3	10+2 in Commerce	1,500	--	1,500
3.	B.Sc. (PCM)	3	10+2 in Science (Maths)	2,500	--	2,500
4.	B.Sc. (ZBC)	3	10+2 in Science (Bio)	2,500	--	2,500
5.	B.Sc. (Computer Sc., P,M)	3	10+2 in Science (Maths)	2,500	--	2,500
6.	B. Lib. & Information Sci.	1	Graduate in any stream	5,000	5,000	10,000
7.	B.J.M.C.	1	Graduate in any stream	5,000	5,000	10,000
Post Graduate Courses :						
8.	M.A. (Economics)	2	Graduate in any stream	2,500	--	2,500
9.	M.A. (History)	2	Graduate in any stream	2,500	--	2,500
10.	M.A. (Sociology)	2	Graduate in any stream	2,500	--	2,500
11.	M.A. (English)	2	Graduate in any stream	2,500	--	2,500
12.	M.A. (Hindi)	2	Graduate in any stream	2,500	--	2,500
13.	M.A. (Sanskrit)	2	Graduate in any stream	2,500	--	2,500
14.	M.A. (Political Science)	2	Graduate in any stream	2,500	--	2,500
15.	M.A. (Public Administration)	2	Graduate in any stream	3,500	--	3,500
16.	M.A. (Geography)	2	Graduate in any stream	3,500	--	3,500
Professional Post Graduate Courses :						
17.	M.A. (Drawing & Painting)	2	Graduate in any stream	5,000	5,000	10,000
18.	M.A. Social Work	2	Graduate in any stream	5,000	5,000	10,000
19.	Master of Library Science & Information Sci.	1	B. Lib.	5,000	5,000	10,000
20.	M.J.M.C.	1	B.J.M.C.	5,000	5,000	10,000
21.	MBA (General)	3	Graduate in any stream with 45% Marks	10,000	5,000	15,000
22.	MBA (Rural Technology and Management)	2	Graduate in any stream with 45% Marks	10,000	5,000	15,000
23.	MBA (Chemical Sales & Marketing Management)	2	Graduate in any stream with 45% Marks	10,000	5,000	15,000
P.G. Diplomas :						
24.	Psychological Counseling	1	Graduate in any stream	5,000	--	5,000
25.	Computer Applications	1	Graduate in any stream	5,000	--	5,000
26.	Human Resources Development	1	Graduate in any stream	5,000	--	5,000
27.	Yoga Education	1	Graduate in any stream	5,000	--	5,000

<u>Important Note :-</u>

- **All fee will be deposited by Bank challan of C.B.I. or D.D. from any Nationalised Bank in favour of "Registrar Jiwaji University Payble at Gwalior, (M.P.) Pin – 474011**
  सभी प्रकार की शुल्कों का भुगतान बैंक चालान केवल (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया) या कुलसचिव, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर के नाम देय किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी किए गए डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से ही किया जा सकेगा।
- **In any case the fees will not be refunded after depositing the fee and decleration of admission list or with in one month of depositing which is come first.**
  किसी भी प्रकार की शुल्कें, छात्र द्वारा जमा करने के एक माह के पश्चात् अथवा प्रवेष सूची जारी होने के पश्चात् (जो भी पहले हो) बापिस नहीं की जा सकेगी।
- **In addition of course fee, examination will be charged extra at the time of submission of examination form during the contact classes or as a decided by the University.**